Workers (VEW) in fortnightly training sessions and in turn to the farmers by scheduled visits of VEWs.

(ii) Disseminating modern farm technologies through national demonstration, operational research, and lab to land programmes being undertaken by the Institutes under Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and agricultural universities.

(iii) Organising demonstrations on improved farm technologies, field days, farm fairs, exhibitions and training camps for the farmers for propagating modern farm tachniques in the rural areas.

(iv) Conducting regional rural youth workshops on specified farm technology subjects in order to provide latest knowledge and skills in agricultural production and offer opportunity to exchange views and experiences.

(v) Organising periodical training programmes through Krishi Vigyan Kendras under ICAR institutes/agricultural Universities and State Farmers Training Centres for farmers and rural youths to make them aware in, and assist them in the adoption of, modern farm techniques.

K. R. process for steel production

796. SHRI NARESH C. PUGLIA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to refer to answer to Unstarred Question 548 given in the Rajya Sabha on 7th November, 1986 and state;

(a) the progress made so far for production of steel under K.R. Process which is being introduced for the first time in India;

(b) whether the new technology has been found to be economical, if so, what are the details thereof;

(c) what is the estimated cost of the project together with the details of its installed capacity; and

(d) by when the project is expected to be ready for commissioning?

THE MINISTER OF ENERGY AND THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI VASANT SATHE): (a) SAIL is contemplating putting up a demonstration plant based on K.R. Process for production of liquid iron.

(b) Techno-economics of the plant is being worked out by SAIL.

(c) Cost estimates of the project are being worked out. The capacity of the proposed K.R. demonstration plant is 0.3 million tonnes of liquid iron per year.

(d) Since the project has not yet been approved, the expected commissioning date cannot be anticipated.

अपर गंगा विकास परियोजना को विश्व बैंक की सहायता

797. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अपर गंगा सिचाई विकास परियोजना के लिए विश्व बैंक से अब तक कितनी सहायता प्राप्त हो चुकी है ;

(ख) क्या इस परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित अवधि में पूरा हो जाने की आशा है ;

(ग) यदि हां, तो उत्तर प्रदेश के कौन-कौन से जिले इससे लाभान्वित होंगे तथा इन जिलों की कितनी भूमि की सिचाई होने लगेगी ; और

(घ) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर "ना" हो तो इस परियोजना का निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) (क) विश्व बैंक के साथ जन, 1984 में किये गए करार के तहत बैंक

ने ऊपर गंगा सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना के लिए 125 मिलियन डालर की सहायता प्रदान की है तथा दिसम्बर, 1986 तक का संवितरण 3.758 मिलियन अमरीकी डालर है।

(ख) परियोजना को सितम्बर, 1984 से दिसम्बर, 1990 तक छः वर्ष की अवधि में क्रियान्वित करने का कार्यक्रम है। अनुमानित अवधि समाप्त होने की तारीख को आगे बढ़ाने का कोई प्रस्ताव राज्य सरकार से अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) बुलन्दशहर, अलीगढ़ तथा एटा तीन जिलों को 43,000 हैक्टेयर सिंचाई लाभ प्राप्त होगा।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

बाण सागर परियोजना

798. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में बाण सागर परियोजना के निर्माण-कार्य में हुई गति का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस पर अब तक कितनी धन-राशि व्यय हो चुकी है ; और

(ग) इसका सारा निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाएगा ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

राजघाट बांध

799. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री 6 मार्च, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1215 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सिंचाई के हित में राजघाट बांध परियोजना के कार्यान्वयन में हुए असाधारण विलम्ब पर विचार करने के लिए गत वर्ष बेतवा नदी बोर्ड की कोई भी बैठक न बुलाये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) वर्तमान गति से काम होने पर परियोजना का निर्माण-कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप इस परियोजना की अनुमानित लागत 123 करोड़ रुपए से बढ़ कर कितनी हो जाएगी ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) 1986-87 में बेतवा नदी बोर्ड की बैठक 9-2-1987 को बुलाई गई थी परन्तु यह हो नहीं सकी। बांध का निर्माण कार्य 1991-92 तक पूरा हो जाने की संभावना है। अद्यतन अनुमानित लागत (1985) 194 करोड़ रुपये है।

भूमि और जल संसाधनों के विकास के लिये अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण की सहायता

800. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्वतीय क्षेत्रों में भूमि और जल संसाधनों के विकास संबंधी परियोजना के लिए सरकार को अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से कितनी सहायता प्राप्त होने की संभावना है ; और

(ख) इससे उत्तर प्रदेश के किन-किन भागों को कितना लाभ मिलने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण सहायता के अन्तर्गत, सितम्बर, 1983 से हिमालय जल विभाजक प्रबंध परियोजना चल रही है। इस परियोजना के लिए 7 वर्ष की अवधि के दौरान 65.50 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत में से